vinetur

2025 में वैश्विक वाइन खपत 2.7% घटकर 20.8 अरब लीटर

इटली में 9.4% की गिरावट सबसे बड़ी रही, जबकि ब्राज़ील, मेक्सिको, जॉर्जिया और रोमानिया में तेज़ बढ़ोतरी हुई।

बुधवार, 7 अक्टूबर 2026



अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ वाइन इकोनॉमिस्ट्स के विश्लेषण के मुताबिक, जो इंटरनेशनल ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ वाइन एंड वाइन से मिले आंकड़ों पर आधारित है, 2025 में वैश्विक वाइन खपत 2.7% घटकर 20.8 अरब लीटर रह गई। कई बड़े और स्थापित बाज़ारों में मांग कम होने से यह गिरावट आई, जबकि कुछ उभरते देशों में खपत में तेज़ बढ़ोतरी दर्ज की गई।

आंकड़ों के अनुसार, 2024 से 2025 के बीच दुनिया भर में खपत 569.5 मिलियन लीटर कम हुई। यह गिरावट सभी बाज़ारों में एकसमान नहीं थी। इसका अधिकांश हिस्सा उत्तरी अमेरिका और यूरोप के कुछ बड़े बाज़ारों से आया, जबकि ब्राज़ील, मेक्सिको, जॉर्जिया और रोमानिया जैसे देशों में तेज़ बढ़ोतरी दर्ज की गई।

निरपेक्ष मात्रा के लिहाज़ से सबसे बड़ी गिरावट इटली में दर्ज की गई। वहां वाइन की खपत 210.5 मिलियन लीटर, यानी 9.4%, घटकर 2024 के 2.27 अरब लीटर से 2025 में लगभग 2.02 अरब लीटर रह गई। अकेले इटली की इस गिरावट का वैश्विक संकुचन में करीब 37% योगदान था। 2024 में इटली दुनिया के दूसरे सबसे बड़े वाइन उपभोक्ता के रूप में फ्रांस के लगभग बराबर पहुंच गया था, लेकिन 2025 की गिरावट के बाद वह फ्रांस से 177 मिलियन लीटर पीछे रह गया।

अमेरिका में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई : वहां खपत 141.6 मिलियन लीटर, यानी 4.2%, कम हुई। इस गिरावट के बावजूद अमेरिका बड़े अंतर से दुनिया का सबसे बड़ा वाइन उपभोक्ता बना रहा। पिछले साल वैश्विक वाइन खपत में आई कुल गिरावट में इटली और अमेरिका का संयुक्त योगदान करीब 62% था।

एक अन्य बड़े बाज़ार जर्मनी में खपत 80 मिलियन लीटर घटकर 4.3% कम रही। चीन में 72 मिलियन लीटर, यानी 13%, और फ्रांस में 71.6 मिलियन लीटर, यानी 3.2%, की गिरावट आई। मात्रा के लिहाज़ से वैश्विक मंदी में सबसे अधिक योगदान देने वाले देशों में जर्मनी, चीन और फ्रांस भी शामिल रहे।

प्रतिशत के लिहाज़ से सबसे तीखी गिरावट कुछ सबसे बड़े बाज़ारों के बाहर दर्ज हुई। आंकड़ों में शामिल देशों में चिली में 17.5% की गिरावट सबसे अधिक थी। इसके बाद चीन में 13%, नीदरलैंड में 12.7% और पोलैंड में 11.9% की कमी आई।

AAWE के विश्लेषण से समग्र तस्वीर यह उभरती है कि कमजोरी परिपक्व वाइन बाज़ारों तक सीमित रही, जहां खपत पहले से अधिक है और मांग घटती दिख रही है। इसके उलट, कुछ उभरते बाज़ारों और पूर्वी यूरोप के कुछ देशों में रुझान विपरीत रहा। दुनिया के 30 सबसे बड़े वाइन बाज़ारों में से केवल 10 में 2025 के दौरान वृद्धि दर्ज की गई।

वैश्विक रुझान के विपरीत ब्राज़ील में सबसे उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। वहां वाइन की खपत 130.1 मिलियन लीटर, यानी 41.9%, बढ़कर 2024 के 310.4 मिलियन लीटर से 2025 में 440.5 मिलियन लीटर हो गई। इस बढ़ोतरी के साथ वाइन उपभोग करने वाले देशों की वैश्विक रैंकिंग में ब्राज़ील 15वें से 12वें स्थान पर पहुंच गया।

अन्य उल्लेखनीय बढ़ोतरी जॉर्जिया में दर्ज हुई, जहां खपत 34.8 मिलियन लीटर, यानी 28.1%, बढ़ी ; वहीं रोमानिया में 34.7 मिलियन लीटर की वृद्धि हुई, जो 11% अधिक है। मेक्सिको में खपत 30 मिलियन लीटर, यानी 24.8%, बढ़ी। पुर्तगाल में भी 29.8 मिलियन लीटर की बढ़ोतरी के साथ 5.6% विस्तार हुआ।

स्पेन की रैंकिंग भी नीचे आई। 2025 में वहां वाइन की खपत घटकर 935.6 मिलियन लीटर रह गई, जो पिछले साल से 51.7 मिलियन लीटर कम और 5.2% की गिरावट है। मात्रा के लिहाज़ से यह दुनिया की छठी सबसे बड़ी गिरावट थी। स्पेन में कमी की दर वैश्विक औसत गिरावट से लगभग दोगुनी थी।

इबेरियाई प्रायद्वीप में दोनों देशों के बीच का अंतर आंकड़ों में खास तौर पर स्पष्ट था। स्पेन की खपत घटने के दौरान पुर्तगाल में यह इतनी बढ़ी कि देश दुनिया में नौवें स्थान पर पहुंच गया। पुर्तगाल की आबादी स्पेन से करीब पांच गुना कम है, फिर भी वहां अब स्पेन की तुलना में लगभग 60% वाइन की खपत होती है।

आंकड़े यह भी रेखांकित करते हैं कि वैश्विक बाज़ार अब कुछ बड़े देशों पर कितना निर्भर है। इटली और अमेरिका में आई गिरावट ही दुनिया के कुल नतीजे को प्रभावित करने के लिए पर्याप्त थी, जबकि कई तेज़ी से बढ़ते बाज़ारों में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज हुई।